जर्जर एवं पुरानी इमारतों की रिपेरिंग के सरकार से 100 करोड़ की मांग

मुंबई। मुंबई की जर्जर और पुरानी इमारतों की हालत बहुत खराब है। इनकी रिपेरिंग के लिए सरकार तत्काल 100 करोड़ रुपए का फंड म्हाड़ा को स्वीकृत करे। जिससे आनेवाली बारिश से पहले इन पुरानी और खतरनाक इमारतों की रिपेरिंग हो सके। विधानसभा में यह मांग बीजेपी के वरिष्ठ विधायक मंगल प्रभात लोढ़ा ने सरकार के सामने रखी। नगर विकास राज्यमंत्री रविंद्र वायकर ने इसके जवाब में कहा कि विधायक लोढ़ा ने जो 100 करोड़ रुपए के विशेष फंड की मांग रखी है, उसके बारे में सरकार सकारात्मक विचार करेगी।

मुंबई में करीब 20 हजार से भी ज्यादा पुरानी, जर्जर एवं खतरनाक इमारतें हैं। इनमें रहनेवाले लाखों लोगों की समस्या के निवारण के लिए विधानसभा में अशासकीय प्रस्ताव पेश करते हुए विधायक लोढ़ा ने कहा कि इन पुरानी इमारतों के रिपेरिंग के लिए म्हाड़ा के पास फंड नहीं है। विधायक लोढ़ा ने सदन में कहा कि हाल ही में सरकार ने जिन 8840 इमारतों की स्पेशल स्ट्रक्चरल ऑडिट करवाई, उनमें से 4512 इमारतें खतरनाक हालत में पाई गई हैं। विधायक लोढ़ा ने कहा कि अगली बरसात से पहले इन इमारतों की रिपेरिंग नहीं करवाई गई, तो उनमें रहनेवाले लाखों लोगों से उनके घर खाली करवा दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि म्हाड़ा रिपेरिंग के लिए फंड न होने की बात कहकर मामले को टाल रहा है। अगर किरायेदारों के दिए हुए सेस के फंड से रिपेरिंग की मांग जाती है, तो सेस फंड में भी पैसे न होने की बात कही जाती है। फिर सेस फंड के लिए म्हाड़ा के विशेष नियम हैं। जिनकी वजह से उसे खर्च करने में बहुत भ्रष्टाचार होता है। जिस पर रोक लगनी चाहिए। विधायक लोढ़ा ने सरकार से तत्काल 100 करोड़ रुपए विशेष रूप से स्वीकृत करने की मांग की।

वरली के विधायक सुनील शिंदे और दहिसर की विधायक मनिषा चौधरी ने भी पुरानी इमारतों की रिपेरिंग के लिए पेश विधायक लोढ़ा के अशासकीय प्रस्ताव का सदन में समर्थन किया। विधायक शिंदे एवं विधायक श्रीमती चौधरी ने सरकार से 100 करोड़ रुपए स्वीकृत करने की विधायक लोढ़ा की मांग दोहराते हुए कहा कि इससे पुरानी एवं जर्जर इमारतों में रहनेवाले मुंबईकरों को भारी राहत मिलेगी। नगर विकास राज्यमंत्री रविंद्र वायकर ने सदन में स्वीकार किया कि मुंबई में कुल 19442 पुरानी इमारतें हैं। उन्होंने विधायक लोढ़ा की मांग को जायज बताते हुए म्हाड़ा से इनकी रिपेरिंग का आश्वासन दिया। विधायक लोढ़ा ने कहा कि इन कुल 19442 में से ज्यादातर इमारतों की हालत बहुत खराब है।